DATE : 18 Aug, 2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- आधुनिक कर्तव्यवादी कॉण्ट के 'शुभ इच्छा' सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? आपके अनुसार यह आधुनिक तकनीकी भौतिक समाज में कहाँ तक प्रासंगिक है? (250 शब्द, 15 अंक)

What do you understand by the 'Good Will' theory of modern deontological Kant? To what extent this modern technique is relevant in materialistic society. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

नोट

- भूमिका में सबसे पहले शुभ इच्छा सिद्धांत बताये (संक्षेप में)।
- मध्य भाग में शुभ इच्छा सिद्धांत को विस्तार से बताइये।
- अंतिम भाग में आधुनिक तकनीकी भौतिक युग मे प्रासंगिकता बताएं।
- संक्षिप्त सारगर्भित निष्कर्ष दें।

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

कॉण्ट को आधुनिक कर्तव्यवादी विचारक के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने नैतिकता को शुभ आचरण से जोड़ने एवं शुभ इच्छा से संचालित करने का सुझाव दिया।

मुख्य विषय वस्तु-

- कॉण्ट ने व्यक्ति के चरित्र की पहचान के लिए उसकी इच्छा या ईरादा को केंद्र बिन्दु माना है।
- इसके लिए उन्होंने गुड विल (Good Will) की अवधारणा प्रस्तुत किया।
- गुड विल सिद्धांत के अनुसार शुभ इच्छा ही एक मात्र ऐसी वस्तु है, जिसे किसी योग्यता व जाँच की आवश्यकता नहीं है।
- इसे समझाने के लिए कॉण्ट ने परफेक्ट डयूटी (Perfact Duty) के माध्यम से समझाने का प्रयास किया है।
- यह Perfact Duty Categorical Imperative छुपा हुआ है।
- इसके अनुसार जब व्यक्ति अपने कर्तव्य का अनुपालन केवल उसे ही (कर्तव्य अनुपालन) मान कर करें, तो ऐसे कर्तव्य को Categorieal Imprative कह सकते हैं।
- जैसे डॉक्टर द्वारा मरीज की जान बचाना, शिक्षक द्वारा बिना किसी लाभ के विद्यार्थी को ज्ञान देना तथा मित्र रूपी अवयव में लाभ रूपी अवयव की अनुपस्थिति इत्यादि।
- कॉण्ट के इस विचार को सार्वभौमिकतावाद का सिद्धांत भी कहा जाता है।
- जिसके माध्यम से उन्होंने एक सार्वभौमिक आचरण की संकल्पना दिया जिसे सभी मानें।
- कॉण्ट अपने उपरोक्त सिद्धांत के माध्यम से मानव केंद्रित नैतिकता पर बल दिया, जिसमें साध्य लाभ नहीं बल्कि मानव हो।
- हालांकि कॉण्ट ने हर व्यक्ति को यह अधिकार दिया कि वह नैतिकता का परीक्षण स्वयं करे, जो सभी परिस्थितियों में संभव नहीं है।
- परन्तु आधुनिक तकनीकी भौतिक समाज में जहाँ छल तथा लाभ अर्जन केंद्रीय विषय बनता जा रहा है।
- जहाँ मानव लाभ अर्जन का साधन बनता जा रहा है।
- समाज में भाई, मित्र, संतान तथा पड़ोसी साधन बनते जा रहे हैं।
- ऐसे में कॉण्ट का यह विचार कि डाक्टर मरीज को साध्य के रूप में देंखे।
- शिक्षक विद्यार्थी को साध्य के रूप में देखे, जिससे दोनों के मध्य एक आध्यात्मिक संबंध स्थापित होगा।
- डॉक्टर तथा मरीज दोनों के मध्य Win-Win Satuation होगा, जिससे सामाजिक सौहार्द में वृद्धि होगी तथा वर्तमान परिवेश में बढ़ते भीड़ हत्या, साम्प्रदायिकता तथा सांस्कृतिक श्रेष्ठता जैसे विचारों को विराम मिलेगा।

* * *